वि . वि .मं

रा. म. साळगांवकर उच्च माध्यमिक विद्यालय

मडगांव गोवा

प्रथम त्रैमासिक परीक्षा

कक्षा : ११ वीं | विषय : हिन्दी | समय : १ घंटा

दिनांक: ७ |८ |२०२४ | अंक: २०

सामान्य निर्देश -

१. कुल प्रश्न १६ हैं
२. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
३. दायी ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती है।

निम्नलिखित अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लगभग १५ से २० शब्दों में लिखिए।

मानव के व्यक्तित्व का निर्माण करनेवाले विभिन्न तत्वों में चरित्र का सबसे अधिक महत्त्व है। चरित्र एक ऐसी शक्ति है जो मानवजीवन को सफल बनाती है। चरित्र की शक्ति ही आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करती है। चरित्र मनुष्य के क्रिया कलाप और आचरण के समूह का नाम है। चरित्ररूपी शक्ति के सामने पाशविक शक्ति भी नष्ट हो जाती है। चरित्र की शक्ति विद्या , बुद्धि और संपत्ति से भी महान होती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई चक्रवर्ती सम्राट धन , पद ,वस्तु और विद्या के स्वामी थे , परंतु चरित्र के अभाव में अस्तित्वविहीन हो गए।

१. चरित्र किसे कहते है ? (१)
२. चरित्र का मानवजीवन पर क्या प्रभाव पडता है ? (१)
३. उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक ही उचित शीर्षक दीजिए। (१)

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

साहबों , उस दिन अपन मटियामहल की तरफ से न गुजर जाते तो राजनीति , साहित्य और कला के हजारों हजार मसीहों के धूम धडक्के में नानबाइयों के मसीहा मियाँ नसीरुद्दीन को कैसे तो पहचानते और कैसे उठाते लुत्फ उनके मसीही अंदाज का ! हुआ यह कि हम एक दुपहरी जामा मस्जिद के आडे पडे मटियामहल के गढैया मुहल्ले की ओर निकल गए। एक निहायत मामूली अँधेरी सी दुकान पर पटापट आटे का ढेर सनते देख ठिठके। सोचा ,सेवइयों की तैयारी होगी , पर पूछने पर मालूम हुआ खानदानी नानबाई मियाँ नसीरुद्दीन की दुकान पर खडे है। मियाँ मशहूर हैं छप्पन किस्म की रोटियाँ बनाने के लिए।

४. हजारों हजार मसीहों के धूम धडक्के से क्या अभिप्राय है ? (१)
५. नानबाई किसे कहते है ? यहाँ किस नानबाई का जिक्र हुआ है ? (१)
६. मामूली सी दुकान पर लेखिका ने क्या अनुमान लगाया , पर उसका अनुमान किस तरह गलत निकला ? (१)

निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लगभग १५ से २० शब्दों में लिखिए।

आज पानी गिर रहा है ,
बहुत पानी गिर रहा है ,
रात भर गिरता रहा है,
प्राण मन घिरता रहा है,

बहुत पानी गिर रहा है ,
घर नजर में तीर रहा है ,
घर कि मुझसे दूर है ,
घर खुशी का पूर है जो ।

७ . कवि को घर की याद क्यों आ रही है ? (१)
८ . घर को खुशियों का पूर क्यों कहा गया है ? (१)
९. उक्त पंक्तियों के कवि कौन है ? (१)

अथवा

सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरे सरूपै सोई ॥
माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां ।
निरभै भया कछू नहि ब्यापै कहै कबीर दिवांनां ॥

७ . कबीर स्वंय को दिवांनां क्यों कहते है ? (१)
८ . ' माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां ' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए । (१)
९. कबीर के अनुसार सबके हृदय में कौन समाया है ? (१)

१०. **निम्नलिखित काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।** (२)

हे सजीले हरे सावन ,
हे कि मेरे पुण्य पावन ,
तुम बरस लो वे न सरसें ,
पाँचवें को वे न तरसें
मैं मजे में हूँ सही है ,
घर नही हूँ बस यही है ,
किंतु यह बस बडा बस है ,
इसी बस से सब विरस है ।

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ४० से ४५ शब्दों में लिखिए । (२)

११ . ' नमक का दारोगा ' कहानी में वंशीधर के व्यक्तित्व के कौनसे पहलू उभरकर आए है । उदाहरणसहित स्पष्ट किजिए ।

निम्नलिखित माध्यम / लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लगभग १० से १२ शब्दों में लिखिए ।

१२ . संचार प्रक्रिया की शुरुआत कब होती है ? (१)
१३ . मौखिक और अमौखिक संचार से क्या अभिप्राय है ? (१)
१४ फीडबैक से हमें क्या पता चलता है ? (१)

१५ . जनसंचार की विशेषताएँ बताइए ? (कोई दो) (१)

अथवा

१५ संचार के तत्व कौन कौन से है ?

१६ . **' दहेज प्रथा एक अभिशाप ' इस विषय पर वंश और वेद इन दो छात्रों के बीच हुआ संवाद १५ से २० वाक्यों में लिखिए ।** (३)

.....